योजना का नाम :-

नेशनल कण्ट्रोल प्रोग्राम ऑन ब्रुसेल्लोसिस (NCPB)
(100प्रति0के0पो0)

योजना का उद्देश्य:-

योजना का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में प्रजनन योग्य मादा पशुओं में गर्भाधान होने के उपरान्त होने वाले संक्रामक गर्भपात(ब्रुसेल्लोसिस) को नियंत्रित करना है। इस रोग से गर्भाधान की अन्तिम अवस्था में (6-10माह में) पशुओं में गर्भपात हो जाता है। फलस्वरूप पशुपालक को भारी आर्थिक हानि उठाने के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन में भी गिरावट आती है। इससे बछियों/पड़ियों आदि को असमय मृत्यु से भी बचाया जा सकेगा। इसके लिये बछियों/पड़ियों को कॉटन स्ट्रेन-19 नामक वैक्सीन से टीकाकारण का कार्य किया जायेगा।

भारत सरकार की "लाइवस्टाक हेल्थ डिजीज कन्ट्रोल" स्कीम के अन्तर्गत इस योजना "National Control Programme on Brucellosis(NCPB) के माध्यम से पशुओ में होने वाले संक्रामक गर्भपात रोग को समूल नष्ट करना है। इससे पशुपालको को आर्थिक क्षति से बचाया जा सकता है। साथ ही दुग्ध उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि में भी सहायक होगी। चूंकि यह रोग जूनोटिक भी है अत: मनुष्यों में होने वाले माल्टाफीवर (Malta Fever) से भी बचा जा सकता है।

दिशा निर्देश:-

(1) योजना पूरे प्रदेश के समस्त जनपद में लागू होगी ।

(2) यह योजना मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के मार्गदर्शन/दिशा निर्देशों में पशु चिकित्सा अधिकारियों की सहायता से चलायी जायेगी।

(3) प्रथम चरण में प्रत्येक पशुचिकित्सालय के अन्तर्गत चयनित/चिन्हित ग्रामों से ब्लड सीरम एकत्र कर ब्रुसेल्लोसिस रोग का सीरो मानीटरिंग परीक्षण का कार्य सम्पादित किया जायेगा।

(4) द्वितीय चरण मे कॉटन स्ट्रेन-19 वैक्सीन से उ0प्र0 के 2200 पशु चिकित्सालय तथा 2575 पशु सेवा केन्द्रों द्वारा टीकाकरण का अभियान

चलाया जायेगा। योजनान्तर्गत प्रदेश में लगभग 2100000 बछिया/पड़िया को इस टीकाकरण से आच्छादित किया जायेगा।

(5) प्रति वर्ष दो बार प्रति पशुचिकित्सालय के अन्तर्गत सीरो सर्वेलान्स हेतु एक ग्राम को चिन्हित किया जायेगा तथा चिन्हित ग्राम से 10 सीरम सैम्पल भैस तथा 10 सीरम सैम्पल गाय से प्राप्त किया जायेगा।

(6) उ0प्र0 के समस्त 75 जनपदों को आच्छादित किया जायेगा। वर्ष में दो बार 2200 ग्रामों को चिन्हित/चयनित करते हुये 88000 सीरम सैम्पल प्राप्त किये जायेंगे।

(7) प्रति पशु से 5 एम0एल0 सीरम सैम्पल एकत्र किया जायेगा तथा इस सीरम सैम्पल को शीत श्रंखला (कोल्ड चेन) में लाते हुये स्क्रीनिंग प्रयोगशाला तक लाया जायेगा। निदेशालय स्थित ब्रुसेल्ला लैब (टी0बी0 एवं ब्रुसेल्ला लैब) द्वारा स्क्रीनिंग (सीरो सर्वेलेंस) का कार्य सम्पादित किया जायेगा।

(8) प्रत्येक सैम्पल पर ग्राम का नाम, जनपद का नाम, एकत्र करने का दिनांक तथा प्रजाति आदि का नाम का अंकन किया जायेगा तथा पशुचिकित्सालय, जनपद तथा राज्य स्तर पर इसकी पहचान का रिकार्ड रखा जायेगा।

(9) इस योजना में बछिया/पड़िया जिनकी उम्र 8 माह या इससे ऊपर की है, को कॉटन स्ट्रेन-19 वैक्सीन के टीकाकरण से आच्छादित किया जायेगा। टीकाकरण उपरान्त उक्त वैक्सीनेटेड बछिया/पड़िया 24 माह तक सीरोलोजिकल परीक्षण के कार्य हेतु अर्ह नही होंगी। कॉटन-स्ट्रेन-19 (लाइव एटेनुयेटिड स्मूथ स्टेन वैक्सीन) टीकाकरण से पशुओ में जीवनपर्यन्त इस रोग (ब्रुसेल्लोसिस) से प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त कर लेगी।

(10) इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त ग्रामों को उक्त वैक्सीन के टीकाकरण के कार्य से आच्छादित किया जायेगा।

(11) उपलब्ध सिरिंज, निडिल एवं अन्य सहायक सामग्री का उपयोग करते हुये टीकाकरण प्रारम्भ करें। टीकाकरण हेतु अतिरिक्त आवश्यक सामग्री पशु चिकित्सालय, बादशाहबाग, लखनऊ से प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

(12) कोल्ड चेन अन्तर्गत जनपद स्तर पर सम्पूर्ण वैक्सीन कोल्ड कैबिनेट/ आइसलाइनर्स में परिरक्षित की जाय तदोपरान्त पर्याप्त कोल्ड चेन में ब्लाक स्तर पर पहुँचाया जाये।

(13) ब्लाक स्तर पर दो दिन की आवश्यकतानुसार वैक्सीन की मात्रा कोल्ड बाक्सेज में परिरक्षित की जाये।

(14) मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी कोल्ड बाक्सेज के लिये पर्याप्त मात्रा में बर्फ/आइसपैक की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

(15) टीकाकरण टीम द्वारा प्रत्येक पशु को लगाये गये टीके का विवरण पशु स्वामी को पूर्व में उपलब्ध कराये गये हेल्थकार्ड में तिथि सहित अंकित किया जाये। यदि किसी कारणवश पूर्व में जारी हेल्थकार्ड उपलब्ध न हो तो नये हेल्थकार्ड जारी किये जायें। हेल्थकार्ड पालीथीन कवर में उपलब्ध कराया जाये।

(16) प्रत्येक टीम द्वारा प्रतिदिन टीकाकरण पंजिका में टीकाकरण का विस्तृत विवरण अंकित किया जाये एवं संकलित सूचना जनपद मुख्यालय को प्रेषित की जाये।

(17) योजना का पर्याप्त प्रचार प्रसार किया जाये।

(18) नव सृजित जनपद हापुड़(पंचशील नगर) के पशुओ में होने वाला टीकाकरण मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, गाजियाबाद, शामली(प्रबुद्धनगर) के पशुओं में होने वाला टीकाकरण मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी मुजफ्फरनगर एवं सम्भल(भीमनगर) के पशुओं में होने वाला टीकाकरण मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मुरादाबाद के स्तर से सम्पन्न कराया जायेगा।

(19) उपरोक्त दिशा निर्देश, मुख्यतया टीकाकरण की उम्र एवं सीरो सर्वेलेंस हेतु उम्र की अर्हता आदि सम्बन्धी तकनीकको पहलू भारत सरकार द्वारा इस हेतु निर्गत किये जाने वाले निर्देशों के अनुरूप परिवर्तित/परिवर्धित किये जायेंगे।

(रूद्र प्रताप)
निदेशक।

BRUCELLA ABORTUS (STRAIN 19) LIVING VACCINE

Brucella abortus strain 19 vaccine is a suspension of a smooth living culture of Brucella abortus of low virulence in buffer saline solution.

Use : The vaccine is used for the active immunisation of calves, heifers and cows against contagious abortion. Although older animals may be vaccinated, inoculation of young Animals six to nine months of age should be the usual procedure.

The vaccination of animals in advanced pregnancy is not usually recommended.

All male calves on the farm, if required to be maintained for work should be vaccinated and castrated after vaccination reaction is over. Male calves that may be required for breeding purposes should be separated from the rest of the herd as quickly as possible after weaning. They should not be vaccinated as if vaccinated they may become reactors indefinitely and if subsequently infected naturally, they may disseminate the disease.

Dose : The dose of vaccine is 5 ml. per animal to be administered subcutaneously.

Reaction : The vaccination reaction usually consists of a mild rise in temperature on the 2nd day which comes down to normal in a day or so. A hard and painful swelling, reaching a maximum on the 3rd day usually develops at the site of injection but disappears in about a week. The animal otherwise remain normal and feel well. Adult animals usually react more severely to vaccination than calves. The thermal reaction may be stronger. Milking animals may have a temporary reduction is their milk yield.

Immunity : Immunity produced by the vaccine is durable and is expected to be satisfactory over the first or two pregnancies but may diminish gradually in succeeding pregnancies. Under field conditions, natural inapparent infections may boost the immunity and so prolong it.

Storage : The vaccine should be stored in refrigerator or cold room at temperature of 2°C to 4°C, Since the keeping quality of the vaccine is low it should be used within 10 days of its despatch.

Precaution : 1. Care has to be taken regarding consumption of milk and milk products from a herd where adult cows are vaccinated as the vaccine strain may get localised in the under when the organisms would be voided in the milk.

2. Care should also be exercised in handing the vaccine at the time of inoculation. Any negligence on the part of operator may result in infecting himself with serious consequences.

Packing : The vaccine is available in a minimum packing of 5 doses.

NOTE: Self life of Br. Ab. Strain(19) vaccine is only 35 days.

भारतीय पशु अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, उ० प्र०
ब्रूसेला एबोर्टस (प्रकार १९) जीवित टीका

ब्रूसेला एबोर्टस प्रकार १९ कम प्रचण्ड ब्रूसेला एबोर्टस का सहज जीवित संबर्द्धन का उभय प्रतिरोधी विलयन में निलम्बन है।

प्रयोग :

टीके का प्रयोग बछड़ों, बछियों और गायों में छूत द्वारा फैलने वाले गर्भपात के विरुद्ध क्रियात्मक असंक्राम्यता के लिए किया जाता है। यद्यपि बड़े पशुओं को भी टीका लगाया जा सकता है परन्तु ६ से ९ माह की आयु वाले छोटे पशुओं में संचारित करना सामान्य प्रक्रिया होना चाहिए।

पशुओं की उन्नतिशील गर्भावस्था में सामान्यतः टीका लगाने की सिफारिश नहीं की जाती है।

सभी बछड़े यदि फार्म में काम लेने के लिए रखे जाने हों तो उनके टीका लगा देना चाहिए और टीके की प्रतिक्रिया समाप्त होने के बाद उनका पुसंत्व हरण कर देना चाहिए और जो बछड़े प्रजनन कार्य के लिए रखे जाएं उन्हें स्तनपान की अवधि के बाद यथा शीघ्र शेष पशुओं से पृथक कर देना चाहिए। उनके टीका नहीं लगाना चाहिए, यदि उनके टीका लगा दिया जायेगा तो वह अनन्तकाल के लिए प्रतिक्रिया करने वाले हो जायेंगे और यदि बाद में प्राकृतिक रूप के संक्रामित हुए तो वह बीमारी फैला सकते हैं।

खुराक :

प्रत्येक पशु के ५ मि०ली० दवा त्वचा के नीचे संचारित करना चाहिए।

प्रतिक्रिया :

सामान्यतः टीके की प्रतिक्रिया स्वरूप दूसरे दिन हल्का सा ज्वर हो जाता है जो लगभग एक दिन में सामान्य हो जाता है। इन्जेक्शन के स्थान पर सामान्यतः कठोर और कष्टदायक सूजन तीसरे दिन अधिकतम् हो जाती है, तत्पश्चात लगभग एक सप्ताह में अदृश्य हो जाती है। अन्यथा पशु सामान्य रहता है और आसानी से भोजन ग्रहण करता है। कम आयु के पशुओं की तुलना में यह प्रतिक्रिया वयस्क पशुओं में सामान्यतः अधिक प्रतीत होती है और तापमान भी और अधिक हो जाता है। दूध देने वाले पशुओं के दूध में अस्थाई कमी आ सकती है।

असंक्राम्यता :

टीके द्वारा उत्पन्न असंक्राम्यता टिकाऊ है और एक दो गर्भावधि के लिए संतोष जनक रहने की आशा की जाती है परन्तु धीरे-धीरे अनुवर्ती गर्भावस्थाओं में घटती जाती है। मैदानों में पशुओं को होने वाला प्राकृतिक अप्रत्यक्ष संक्रामण असंक्रायम्ता को बढ़ा देता है और इसलिए यह लम्बी अवधि तक बनी रहती है।

पूर्वाधान :

जहां वयस्क गायों को टीका लगाया गया हो तो उनके दूध और दूध से निर्मित वस्तुओं के उपभोग में सावधानी रखनी चाहिए क्योंकि जब वयस्क गायों के टीका लगाया जाता है तो टीके के कीटाणु शरीर के थनों वाले हिस्सों में एकत्र होकर दुहते समय बाहर आ सकते हैं।

(२) टीका संचारित करते समय भी सावधानी रखनी चाहिए। प्रचालक की गई किसी भी प्रकार की लापरवाही के परिणाम स्वरूप वह स्वयं संक्रमण का शिकार हो सकता है।

पैकिंग :

टीका कम से कम ५ खुराकों के पैक में उपलब्ध है।